Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 20-03-2006
Participants : Atwal Shri Charnjit Singh,Bhargav Shri Girdhari Lal

an>

Title : Need to revive the mines falling under non-forest areas in view of the unemployment situation in Rajasthan and various other parts of the country.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है और मैं एक बहुत ही वाजिब बात आपके सामने रख रहा हूं। हिन्दुस्तान में कई मार्बल खानें आज बंद पड़ी हुई हैं। मैं केवल एक उदाहरण देना चाहूंगा। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में जमुवा रामगढ़ तहसील स्थित आंधी क्षेत्र की एक मार्बल खान बंद पड़ी हुई है, जिसके कारण हजारों परिवार बर्बाद हो गये हैं। र्वा 2003 से इस पर फैसला नहीं हो पा रहा है। यह खान वन क्षेत्र से बाहर स्थित है, यानी यह वन क्षेत्र में नहीं है। वहां एक भी पेड़ नहीं उगता है। मैं कहना चाहता हूं कि देरी से जो निर्णय लिया गया, वह निर्णय भी गलत होगा। इसलिए मेरी सरकार से मांग है इस पर जल्दी ही निर्णय करें। वहां खेती-बाड़ी र्वा पर निर्भर है।ज़मीन पथरीली है, जल स्तर नीचे चला गया है। वहां कोई उद्योग लग नहीं सकता, इसलिये रोज़गार नहीं मिल सकता है। वहां से जयपुर शहर 50 किलोमीटर दूर है और उन लोगों को इतनी दूर आना पडता है। आने-जाने में 30-40 रुपये खर्च हो जाते हैं जब कि मज़दूरी के रूप में उन्हें 60-70 रुपये मिलते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : आपकी डिमांड क्या है?

श्री गिरधारी लाल भार्गव : मैं निवेदन कर रहा था कि उन के बच्चों का स्कूल जाना बंद हो

गया, बीमारी के लिये पैसा नहीं है, खाने-कमाने का साधन नहीं है, महाजनों, सूदखोरों, साहूकारों से ब्याज पर कर्जा लिया तो मूल रकम चली गई और खानें गिरवी रखी थीं। वे खानें बिक गई हैं। आज हालत यह है कि 25 हजार श्रमिक पलायन कर गये हैं। श्रमिकों के पास...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप क्या कहना चाहते हैं?

श्री गिरधारी लाल भार्गव : राजस्व का करोड़ों रुपया खर्च हो रहा है। मार्बल माइन्स राजस्थान का प्रमुख उद्योग है। मेरी मांग है कि वे खानें चालू की जायें। मैं समझता हूं कि पेट्रोलियम मंत्री के पास विभाग रहा है। वे खाने ठेके पर उठाकर काम कर रहे हैं, वनों को उजाड़ा जा रहा है। मैं खुद इस बात से दुखी हूं। लोगों की माली हालत ठीक नहीं है। पहले उनके लड़के-लड़कियों की शादी-ब्याह हो जाया करती था लेकिन आज माली हालत खराब होने के कारण उनके लड़के-लड़कियों के शादी-ब्याह बंद हो गये हैं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप कहना क्या चाहते हैं?

श्री गिरधारी लाल भार्गव : मैं प्रार्थना कर रहा था कि भारत सरकार को करोड़ों रुपये का जो नुकसान हो रहा है उससे लोग मर रहे हैं। मैं सरकार का वफादार होने के नाते सलाह दूंगा कि जो खाने बंद हो गई हैं, उन्हें चालू कराया जाये। जो मजदूर बेरोजगार हो गये हैं, 25 हजार परिवार पलायन कर गये हैं, उनके पास कुछ नहीं है, सरकार उन लोगों के बारे में सोचे और बंद हुई मार्बल की खानें विशेकर आंधी क्षेत्र में फिर से चालू कराये।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री वी.पी. सिंह, श्री जसवंत सिंह बिश्नोई, श्री श्रीचंद कृपलानी और श्री राम सिंह कास्वां के नांम एसोसिएट किये जायें।